STAR

SAAMARTHYA TEACHERS TRAINING ACADEMY OF RESEARCH

In collaboration with Jaipuria School of Business

शिक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त करें

दूरदृष्टि

सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च (स्टार) एक अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान है जो शिक्षा के सभी पहलुओं पर व्यापक शोध के आधार पर शिक्षकों के व्यक्तिगत क्षमताओं का विकास कर उन्हें वैश्विक स्तर की क्षमता प्रदान करेगा।

मिशन

हम बौद्धिक जिज्ञासा, डिज़ाइन थिंकिंग एवं शोध की बुनियाद पर प्रासंगिक कुशलता का विकास कर शिक्षकों और स्कूल संचालकों को कौशल एवं क्षमताएं प्रदान करते हैं जो विद्यार्थियों को सार्थक शिक्षा प्रदान करने तथा उचित अनुभव देने के लिए आवश्यक है।

हमारा परिचय

सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च (स्टार) के प्रमोटर हैं ऑर्डेन टेक्निकल सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (ओटीएसपीएल) जिन्हें जयपुरिया स्कूल ऑफ बिज़नेस (जेएसबी) का सहयोग प्राप्त है। ओटीएसपीएल मुख्यतः सेवा क्षेत्र की कम्पनी है जो शिक्षा संस्थानों को ईआरपी, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं मार्केटिंग संबंधी सेवाएं देने का कारोबार करती है। जेएसबी एनसीआर क्षेत्र का अग्रणी बिजनेस स्कूल है जिसकी स्थापना सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने की है। जयपुरिया ग्रुप पिछले 75 वर्षों से भारतीय शिक्षा जगत में एक प्रतिष्ठित नाम है।

जयपुरिया ग्रुप ने स्वतंत्र रूप से अध्ययन एवं अध्यापन की संरचना विकसित की है जिसके तहत शिक्षकों से सभी स्तर पर नियमित संवाद किया जाता है और करिकुलम का प्रगतिशील विकास एवं अनुकूल अध्यापन की असरदार तकनीकियां, स्ट्रक्चर्ड डिजिटल लेसन प्लान, कक्षा अवलोकलन संबंधी मार्गदर्शन दिया जाता है और शिक्षकों की व्यक्तिगत प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान की जाती है।

हम ने कई वर्षों के अनुभव एवं विश्व स्तर पर हो रहे परिवर्तनों के मद्देनजर कुछ बुनियादी क्षेत्रों की पहचान की है। इसके अनुसार शिक्षकों को आवश्यक कौशल और संसाधन प्रदान किए जाते हैं जो अत्यंत प्रगतिशील शिक्षा जगत की चुनौतियों को समझने एवं सुलझाने के लिए अनिवार्य हैं। सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च (स्टार) एक अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान है जो शिक्षा के सभी पहलुओं पर व्यापक शोध के आधार पर शिक्षकों के व्यक्तिगत क्षमताओं का विकास कर उन्हें वैश्विक स्तर की क्षमता प्रदान करेगा।

सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च

कई स्तर पर किए गए अध्ययनों से अब यह प्रमाणित हो गया है कि सर्वश्रेष्ठ शिक्षा संस्थान बनाने में सबसे बड़ा योगदान महान शिक्षकों का ही रहता है।

- किसी शिक्षा तंत्र की गुणवत्ता उसके शिक्षकों की गुणवत्ता से बढ़ कर नहीं हो सकती है'' (ओईसीडी मकेंज़ी रिपोर्ट 2007)
- सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च (स्टार) में हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि किसी उत्कृष्ट शिक्षा तंत्र की बुनियाद उसके सक्षम और प्रभावशाली शिक्षक हैं। इसी सोच के साथ हमारा लक्ष्य शिक्षकों को सारगर्भित, सुरुचिपूर्ण विकास और सीखने का परिवेश देना है जिसमें शिक्षा को लेकर उनकी प्रतिबद्धता सामने आएगी और वे प्रगतिशील शिक्षा जगत में हो रहे नव परिवर्तन से कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ेंगे। साथ ही, हम सुनिश्चित करेंगे कि सदियों से स्थापित अटल मूल्य और कार्य प्रक्रियाएं और मजबूत बने। ऐसे शिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल और क्षमताएं प्रदान की जाएंगी।
- संस्थान का दृष्टिकोण उच्चतम कार्य प्रदर्शन एवं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रक्रियाओं के अभ्यास पर आधारित है।
- हमें पूर्ण विश्वास है और यही हमारा प्रयास भी है कि हम एक शानदार विरासत कायम करने हेतु सक्षम हैं।

श्री विनोद मल्होत्रा

अध्यक्ष, शैक्षिक परिषद

प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों के अनुभवी हैं एवं भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में 38 वर्षों तक कार्यरत रहे हैं। इन्होंने औद्योगिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रत्यक्ष भागीदारी की है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर नीति निर्माण में संलग्न रहे हैं। भगवद् गीता का गहरा अध्ययन करते हुए और उसके अनुयायी श्री मल्होत्रा ने प्रबंधन, नेतृत्व एवं सॉफ्ट स्किल्स जैसे विभिन्न विषयों पर 14 पुस्तकें लिखी हैं।

श्री अनिल स्वरूप

वरिष्ठ सलाहकार

सफलता की मिसाल – युनिवर्सीटी के गोल्ड मेडल विजेता; आईएएस एकेडमी के 'एचीवर'; पूर्व सचिव, विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता; इंडिया टूडे के 35 वें संस्करण में भारत के 35 एक्शन हीरो में एक; नेक्सस ऑफ गुड के संस्थापक सदस्य; दो बेस्ट सेलर पुस्तकों के लेखक।

श्री केन जोशुआ

वरिष्ठ सलाहकार

इंगलैंड के सेकेंडरी स्कूलों में अध्यापन का 38 वर्षों का अनुभव, रसायन शास्त्र में डिग्री प्राप्त वैज्ञानिक, पिछले 20 वर्षों में स्कूल लिंक कायम किए, पिछले 10 वर्षों से भारत के शिक्षकों के प्रशिक्षण में संलग्न और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सीखने और सिखाने की कौशल वर्धन कार्यशालाएं करते हैं।

श्रीमती आभा ऐडम्स

वरिष्ठ सलाहकार

लेडी श्रीराम कॉलेज ऑफ दिल्ली की पूर्व छात्रा, जानी–मानी लेखिका, प्रबुद्ध वक्ता, भारत और इंगलैंड दोनों देशों में शिक्षा, मीडिया एवं कला प्रबंधन में 37 वर्षों का अनुभव, बीबीसी की संपादिका, आर्ट्स काउंसिल में 'अदिति' की निदेशिका, विभिन्न स्कूलों के संस्थापक एवं विभिन्न टीमों का नेतृत्व।

एकेडमिक काउंसिल (शैक्षिक परिषद)

श्रीमती सरिता माथुर
वरिष्ठ सलाहकार

स्वतंत्र रूप से कार्यरत शिक्षा सलाहकार और सेंट स्टीफन्स कॉलेज की पूर्व छात्रा। इंडिया टुडे ग्रुप में काम किया, श्री राम स्कूल की प्रमुख रहीं। अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, सीबीएसई की सलाहकार। कई करिकुलम कम्पनियों और स्टार्ट–अप की सलाहकार।

श्री जीतेंद्र मिश्रा
निदेशक, जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस

अर्थशास्त्र में पीएच डी, अध्यापन, अनुसंधान, प्रशासन एवं संस्थान निर्माण में दक्ष; 40 शोध पत्र प्रकाशित, अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों के समीक्षक, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के परीक्षक एवं सुपरवाइजर।

श्री हरीश संदुजा
सदस्य, शैक्षिक परिषद

25 वर्षों का शैक्षिक अनुभव, सीबीएसई, आईसी, आईबी, ब्रिटिश एवं आस्ट्रेलियाई शिक्षा व्यवस्था का अनुभव। लीडरशिप कोर्स तैयार किए, सीबीएसई की कार्यशालाएं संचालित की। भारत के जाने–माने स्कूलों के प्रिंसिपल और निदेशक रहे।

श्रीमती सुषमा रतूड़ी
सदस्य सचिव, शैक्षिक परिषद

लोक प्रशासन में गोल्ड मेडलिस्ट; भारत और कीनिया के प्रमुख पब्लिक स्कूलों में 28 वर्षों का कार्यानुभव; स्कूलों के लिए शिक्षा नीतियां एवं प्रोग्राम, करिकुलम विकास, स्कूलों के ऑडिट, शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण एवं मेंटरिंग संबंधित कार्य।

ट्रेनिंग मॉड्यूल

STAR
SAAMARTHYA TEACHERS TRAINING ACADEMY OF RESEARCH
In collaboration with Jaipuria School of Business

एकेडमी द्वारा चयनित ट्रेनिंग मॉड्यूल ट्रेनिंग की बड़ी रेंज़ का संक्षिप्त रूप सामने रखते हैं। प्रत्येक मॉड्यूल के पीछे मुख्य उद्देश्य है गहन शोध एवं सशक्त योजना के साथ शिक्षकों की मनोदशा और सक्षमताओं में धीरे–धीरे बदलाव कर उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने में अधिक सक्षम बनाना।

1. कंटेंट डेवलपमेंट (सामग्री का विकास) और स्ट्रक्चरल प्लानिंग (संरचनात्मक योजना)

- यह मॉड्यूल शिक्षा सिद्धांतों की जानकारी और अध्ययन–अध्यापन का फ्रेमवर्क बनाने में सहायक है। इसके केंद्र बिन्दु शिक्षक और विद्यार्थी हैं। मंथन इस पूरी प्रक्रिया का अभिन्न भाग है। करिकुलम और कंटेंट डेवलपमेंट की अनिवार्य क्षमताएं और कौशल प्रदान करने के अतिरिक्त यह प्रशिक्षण प्रभाग 21वीं सदी के कौशल और विद्यार्थियों के संज्ञान एवं सामाजिक–भावनात्मक विकास पर भी जोर देता है।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी शिक्षक उपरोक्त विधि से शिक्षा प्रोग्राम का लाभ देने के आवश्यक कौशल प्राप्त करेंगे।

- स्कूली शिक्षा के सामाजिक–आर्थिक और व्यक्तिगत दृष्टिकोण का निर्माण
- शिक्षा का उद्देश्य
- विषय विशेष के करिकुलम (पाठ्यक्रम) का उद्देश्य
- एनसीईएफ की समझ और उपयोग
- 21वीं सदी के लाइफ स्किल्स
- सिलेबस या करिकुलम मैपिंग
- प्रभावशाली लेसन प्लान
- बुनियादी क्षमताओं की समझ

2. मार्गदर्शन की रणनीतिया

- यह मॉड्यूल शिक्षकों के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने हेतु मार्गदर्शन की विभिन्न रणनीतियों पर केंद्रित है। लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षक विभिन्न क्षमताओं के विद्यार्थियों को सीखने का सही परिणाम प्राप्त करने में सहायक बने हों। रचनात्मक शिक्षा विधि लागू करने से न केवल विद्यार्थियों की व्यक्तिगत जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि उनमें खुद सीखने की जिम्मेदारी की भावना भी जागृत होगी।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम में शिक्षकों को अत्याधुनिक प्रचलित शिक्षा विधियां बताई जाएंगी।

- मरजानो की शोध आधारित मार्गदर्शन गतिविधि
- सीखने की प्रक्रिया का प्रदर्शन
- ग्राफिक आर्गेनाइजर
- प्रश्न पूछने का प्रभावी कौशल
- शिक्षण के इनोवेटिव उपकरण
- विषय विशेष के लिए मार्गदर्शन की रणनीतियां
- सीखने के बहु संवेदी माध्यम
- विषय आधारित वैचारिक स्पष्टता
- क्लस्टर लेटर प्रक्रिया से अल्फाबेट का ज्ञान
- कथावाचन की कला

- विभिन्न प्रकार की मार्गदर्शन रणनीतियां
- शिक्षा विधि के मॉडल
  - वीएके मॉडल
  - ब्लूम्स टैक्सोनोमी
  - सीखने के आयाम
  - बैकवर्ड डिज़ाइन का ज्ञान
- बहुविकल्प बुद्धि का सिद्धांत
- प्रायोगिक ज्ञान का कोल्ब साइकिल
- परियोजना आधारित ज्ञान
- विभेदित अधिगम
- कक्षा के अंदर सक्रिय ज्ञान अर्जन
- मस्तिष्क आधारित सीखने के सिद्धांत

STAR
SAAMARTHYA TEACHERS TRAINING ACADEMY OF RESEARCH
In collaboration with Jaipuria School of Business

3. मूल्यांकन की रणनीतियां

- हम शिक्षकों को सही संरचना के साथ मूल्यांकन रणनीतियां और संसाधन प्रदान करते हैं ताकि अधिक प्रभावी मार्गदर्शन के लिए उन्हें वास्तविक स्थिति की जानकारी मिले। इसकी मदद से वे पूर्व निर्धारित परिणामों के मद्देनजर बच्चों के सीखने का प्रामाणिक मूल्यांकन कर पाएंगे। ये मूल्यांकन रणनीतियां उन्हें सभी विद्यार्थियों की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेंगी और उनके सामने विद्यार्थियों के शैक्षिक लक्ष्य और उचित स्तर हासिल करने की स्पष्ट तस्वीर होगी।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागियों को मूल्यांकन के विभिन्न टूल्स दिए जाएंगे जो अधिक सफलतापूर्वक सीखने के अवसर देंगे और शिक्षा विधियों की मिसाल रखने को प्रोत्साहित करेंगे।

- ऐससमेंट और इवैल्यूएश में अंतर
- प्रश्नों का नियोजन
  - ब्लूम्स टैक्सोनोमी
  - सीखने के आयाम
- प्रभावशाली प्रश्न पत्र तैयार करना
- फार्मेटिव और समेटिव मूल्यांकन
- आथेंटिक ऐसेसमेंट का रुब्रिक्स
- मुख्य क्षमताओं का ऐसेसिंग (6 सी)
  - क्रिटिकल थिंकिंग
  - कम्युनिकेशन
  - कोलैबरेशन
  - क्रिएटिवीटी
  - कल्चरल अंडरस्टैंडिंग
  - कनेक्टिवीटी युटलाइजेशन

4. विकासात्मक मनोविज्ञान

- विद्यार्थियों के सीखने के तरीके और जरूरतें भिन्न–भिन्न होती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को समझना और विकासात्मक मनोविज्ञान पर उपलब्ध शोध का उपयोग किसी विद्यार्थी और विद्यार्थी समूह की जरूरतें पूरी करने में सहायक होगा। यह माड्यूल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया, सीखने के लक्ष्य और विशेष उपलब्धियों (मील के पत्थर) को लेकर खुद शिक्षक की जागरूकता बढ़ती है।
- यह कोर्स कक्षा के अंदर बच्चों की मनोविज्ञान–केंद्रित शिक्षा विधि को मजबूत बनाएगी जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति से बुनियादी तौर पर जुड़े उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास की मैपिंग करने में शिक्षकों को मदद मिलेगी।

- सीखने के सिद्धांत
  - आचरण
  - संज्ञान
  - रचनात्मक
- भावनात्मक बुद्धि
- पियाजेट के विकास की अवस्थाए
- विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन

5. कक्षा प्रबंधन

- प्रभावी कक्षा प्रबंधन से सीखने का बेहतर परिवेश बनता है और परिणामस्वरूप सामाजिक और शैक्षिक सफलता मिलती है। इन मॉड्यूल्स द्वारा मुख्यतः कौशल एवं तकनीक विकास पर ध्यान देकर शिक्षकों में कक्षा प्रबंधन में क्षमता का विकास किया जाएगा और परिणामस्वरुप कक्षा के अंदर अनुकूल परिवेश होने से विद्यार्थी के ज्ञान में गुणात्मक सुधार होगा।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी, प्रभावी कक्षा प्रबंधन के लिए आवश्यक विभिन्न कौशल एवं तकनीक की गहरी सूझबूझ प्राप्त करने के साथ अध्यापन एवं अध्ययन की प्रक्रिया में सार्थक भागीदारी करेंगे।

6. कक्षा के अंदर आईसीटी

- आज के विद्यार्थी जो डिजिटल दुनिया के निवासी हैं, उनके शिक्षकों के पास तकनीकी ज्ञान होना और अध्ययन–अध्यापन में सुधार के लिए इस ज्ञान का उपयोग करना अनिवार्य है। इस मॉड्यूल के अंतर्गत संबंधित टूल्स और डिजिटल उपकरणों का उपयोग एवं विधि सीखने का अवसर मिलेगा।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी को अत्याधुनिक शैक्षिक तकनीक का ज्ञान प्राप्त होगा।

7. व्यक्तिगत प्रभाव

- कक्षा कार्य में प्रभावी होने के साथ–साथ शिक्षक को माता–पिता, सहकर्मी और पूरे समाज के संपर्क में कार्यरत रहना आवश्यक होता है। भिन्न–भिन्न भूमिकाओं में उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए कार्यविधि के शोध, बच्चों के सकारात्मक लालन–पालन, परामर्श और अन्य संबंधित / महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर मॉड्यूल उपलब्ध होंगे।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी खुद को अधिक प्रभावशील बनाने के लिए प्रोत्साहित किए जाएंगे ताकि पेशा सक्षमता, कार्य प्रदर्शन, सृजन शक्ति और सफल शिक्षक के रूप में लोगों से उनकी संवाद क्षमता बढ़े।

8. प्रभावशाली संवाद कौशल

- यह मॉड्यूल शिक्षकों को अधिक प्रभावशाली और क्षमतावान बनाएगा क्योंकि संवाद कौशल अध्ययन–अध्यापन के लिए अहम्/ अनिवार्य है। प्रभावशाली संवाद से शिक्षक रचनात्मक होंगे और विद्यार्थियों को प्रभावी समाधान प्रदान करेंगे।
- ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी संवाद की तकनीकों और सीखने की शैलियों के बारे में ज्ञान और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे।

9. विभिन्न विषयों के प्रति दृष्टिकोण

- विश्वस्तरीय शिक्षा देने का सपना पूरा करने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षक अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र की नई विचारधारा से रू–ब–रू रहें। इसलिए विषय विशेष की नवीनतम शिक्षा विधि लागू करने के साथ संबंधित केस स्टडी और रणनीति बताई जाएगी ताकि शिक्षा प्रदान करने और बच्चों के शिक्षा ग्रहण करने में सुधार हो।
- विषय विशेष के प्रशिक्षण प्रोग्राम के प्रतिभागी पाठ्यक्रम के ज्ञान के आदान–प्रदान में उपयोगी नवीनतम शिक्षा विधि सीख कर अपने–अपने विषय क्षेत्रों के विशेषज्ञ बन जाएंगे।

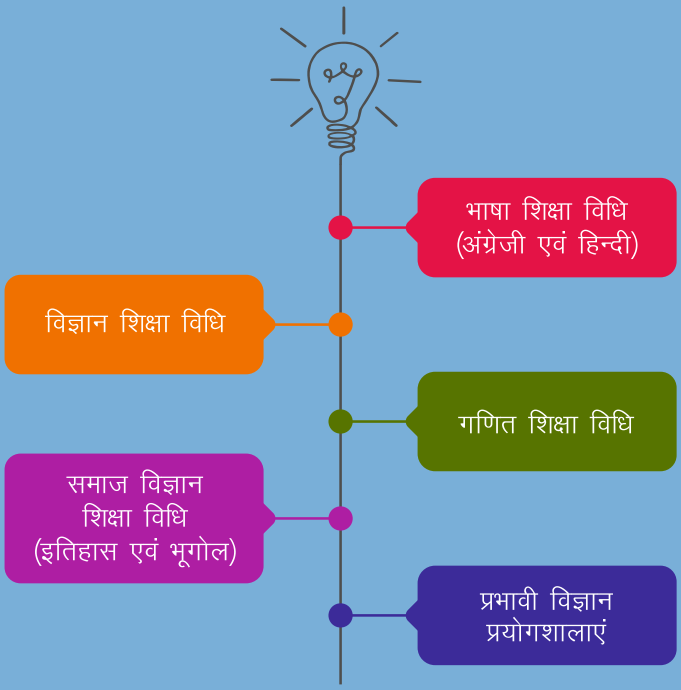

10. डिज़ाइन थिंकिंग

- इस प्रोग्राम में पूर्वाग्रहों को चुनौती देकर और जटिल विषयों को संभालने के नए तरीके ढूंढ़ कर प्रश्नों के हल करने के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित होगा। इसके अंतर्गत डिज़ाइन इनोवेशन के पांच चरण होंगे – सहानुभूति (एमपैथी) की प्रक्रिया, समस्या समझना, विचार करना, उनके आधार पर प्रोटोटाइप तैयार करना और विचारों का परीक्षण करना। इसे कार्यरूप देने से इसकी मान्यता स्थापित करने में मदद मिलती है।
- इस कोर्स के प्रतिभागी जरूरी कौशल के साथ टूल्स और तकनीक से अत्याधुनिक गुणवत्ता के डिज़ाइन कार्य करते हुए नई मानसिकता को प्राप्त कर अनुसंधान करेंगे एवं उसके अनुरूप कार्य करना सीखेंगे।

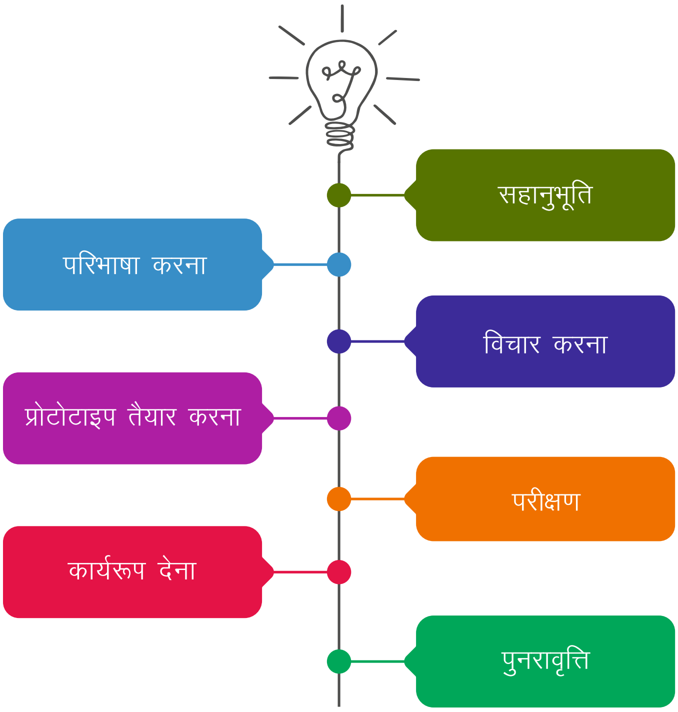

11. लीडरशिप

- लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम माध्यमिक–से–वरिष्ठ स्तर के लीडरों को अवसर देने के लिए निर्मित किया गया है ताकि वे अपने लीडरशिप के तरीके को सही अर्थों में समझें और निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त करें। गहन शोध आधारित सामग्री में कुछ गुणों पर विशेष ध्यान दिया गया है जो उनका कौशल बढ़ाएंगे और सही प्रतिभा दिखाने की चाहत जगाएंगे।
- –ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रतिभागी अथक प्रयास की प्रवृत्ति (सेल्फ–रिजिलियंस), प्रभावीपन, संवाद कौशल और आत्मचेतना का सकात्मतक परिवर्तन अनुभव करेंगे।

12. खुशहाली

- –''जीवन का अर्थ और उद्देश्य खुशहाली है। यही मानवता का संपूर्ण लक्ष्य और अंतिम परिणति है।'' –अरस्तू
- –मनुष्य की इच्छा खुशहाल रहने की होती है। इसलिए हमारे जीवन के हर एक कार्य का लक्ष्य खुशियां प्राप्त करना है। हमें खुशी मिलती है जब हम इस अनूभुति के साथ संतुष्ट रहते हैं कि हमारा जीवन अच्छा, सार्थक और वस्तुत: जीने योग्य है। हालांकि पल–पल प्रतिस्पर्धी होती दुनिया में हमें बच्चों में उन बुनियादी क्षमताओं का विकास करना है, जो न केवल उनके सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि उनकी सफलता और खुशहाली से भी जिनका (क्षमताओं का) सीधा संबंध है।
- –खुशहाली के मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य वास्तविक खुशी और इसकी गतिविधि पर प्रकाश डालना है। यह कोर्स शक्तिशाली मार्गदर्शक सिद्धांत और पवित्र ग्रंथों के सार्वभौमिक ज्ञान से सम्पन्न है ताकि स्वतंत्र सोच के धनी, जागरूक और आत्मचेतन लोगों का विकास हो, जो उनके परिवार, मित्रवर्ग और कार्य क्षेत्र में सफलतापूर्वक अपनी भागीदारी निभाएं।

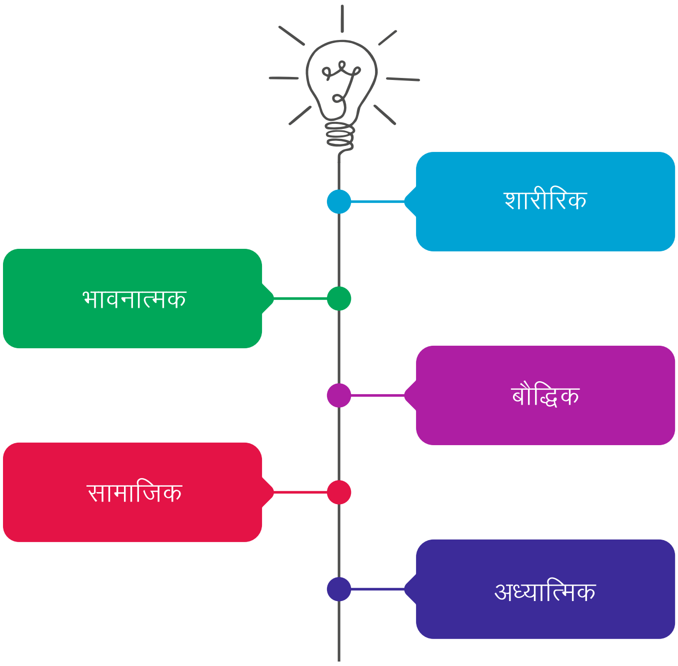

मॉड्यूल के विवरण

अवधि:
ऑनलाइन समय अवधि 4 घंटे
ऑफलाइन समय अवधि 14 घंटे

सर्टिफिकेशन:
सामर्थ्य टीचर्स ट्रेनिंग एकेडमी ऑफ रिसर्च

STTAR
SAAMARTHYA TEACHERS TRAINING ACADEMY OF RESEARCH
In collaboration with Jaipuria School of Business

t ;ifj;k Ldy vkQ fctul
गेट नं. 1, ब्लॉक बी, शक्तिखंड
इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद 201014 (यू.पी.) भारत

vkMu VfDudy lfolst çkbo fyfeVM
डी–3, निकट स्वदेशी खादी भंडार, चंदर नगर
गाजियाबाद (यू.पी.)

Saamarthya Teachers Training Academy of Research
sttarteacherstraining | sttarteacherstraining